10.5 cms

29.7 cms

English

Congratulations! You have chosen one of the finest Berseem seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Berseem seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding variety suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Berseem seeds provide excellent germination & better vigor with tolerant to biotic & abiotic stresses. Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

	DHUADHAR	DHUADHAR HAADU	Jordhar				
Duartion							
Rabi (October- November)	170-180 days	180-190 days	170-180 days				
Note-Crop growth & maturity may vary as per local weather conditions .							
Source of Irrigation	Irrigated						
General recommendation							
Sowing	Sowing by broad casting, fine soil tilth with optimum soil moisture will help for better emmergence.						
Spacing	NA						
Seed Rate (Normal planting)	8-10 kg/acre						
Seed Rate (Late planting)	10-12 kg/acre						
	Note: Sowing time is an important factor governing germination, seedling growth. The optimum sowing time in Northwest region is entire month of October; In Northeastern zone it can be sown up to last week of November						
Seed treatment	Thiram 75% WS + Deltamethrin 2.5% WP						
Nutirent Management	Use of FYM will improve soil health. Kindly ensure use of fertilizer as per crop stages.						
Recommended FYM, chemical and fertilizer dose per acre							
			FYM tonns/ acre	Nitrogen Kg/acre	Phosphorous Kg/acre	Potasium Kg/acre	Regardless of fertilizer brand and combination, fertilizer should be use as per the recommeded dose with proper application method.
Fertilizer dose			2-3	8	32	16	
Application		Basal dose	2-3	8	32	16	In general crop responds significantly for basal application of fertilizer compare to top dressing
Interculture Operation							
Irrigation	Berseem require 12-15 irrigations, First irrigation is very important and should be given one week after the sowing. Afterwords, the field should be irrigated at an interval of 15-20 days depending on the weather conditions.						
Pest & Diseases							
	Insect/Diseases	time of incedence	Control measure				
	White fly	Early seedling	Acetamiprid 20 percent SP 400 g/acre and Chlorpyrifos 20 percent EC 500 ml/acre.				
	Katua Moth	Early seedling	Use Quinalphos 25 EC/400 ml/acre and Profenophos 50 EC/600 ml/acre.				
	Stem rot	Early seedling	Spray 0.1% solution of Bavistin twice in January and February at an interval of 15 days and avoid frequent irrigation.				
	Root rot	Early seedling	Crop rotation of 2-3 years and deep ploughing in summer. Seed treatment with Carbendazim 2 gm/kg seed.				
Intercutivation							
	Field should be kept weed free up to 25 - 30 days after sowing. Inter-cultivation 2 or 3 times at 3rd & 5th weeks after sowing should be done to check the weed growth.						
Weed control	Apply imazethapyr 10% @ 0.1 kg a.i. /ha at 20 DAS						
Harvesting							
	First cut : 50 to 55 days after sowing, second and subsequent cut 30 to 35 days after each cut						
Do's	Follow all recommended production practices- Timely sowing, proper cutting management and irrigation after cutting . For getting better regrowth, harvest the crop at recommended days , Cutting height should be 6-8 cm .						
Don't Do	Avoid waterlogging, Don't grow Berseem after Berseem						
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations releted to particular region, please contact your local State Agriculture Department.						
Precaution	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.						

HINDI

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार के सबसे उत्कृष्ट बरसीम के बीजों में से एक को चुना है. क्रिस्टल अच्छी गुणवत्ता वाले बरसीम के बीजों के उत्पादन का गहरा अनुभव रखता है. इन बीजों को व्यापक शोध द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य अधिक उपज देने वाली किस्म विकसित करना है जो विभिन्न कृषि जलवायविक स्थितियों के अनुरूप हों. क्रिस्टल बीज उत्पादन के दौरान नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर सुनिश्चित करता है कि किसानों को मिलने वाले बीज उच्चतम गुणवत्ता के हों. क्रिस्टल का बरसीम का बीज अंकुरण में उत्कृष्ट और बलिष्ठता में बेहतर होने के साथ जैविक और अजैविक तनावों के प्रति सहनशील है. कृपया सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों को अपनाकर शानदार उपज प्राप्त करें. निम्नलिखित सामान्य अनुशंसाएँ की गई हैं, अत: हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कोई भी निर्णय लेने से पहले इन अनुशंसाओं को अवश्य पढ़ लें.

	धुआँधार	धुंआधार हाडू	जोरदार				
अवधि							
रबी (अक्टूबर–नवंबर)	170–180 दिन	180–190 दिन	170–180 दिन				
ध्यान रखें : फसल की बढ़वार और परिपक्वता स्थानीय मौसम की स्थितियों के अनुसार अलग–अलग हो सकती है.							
सिंचाई का स्रोत	सिंचित						
सामान्य अनुशंसाएँ							
बुवाई	छिंटाई द्वारा बुवाई, मिट्टी की अच्छी जुताई और मिट्टी में अनुकूलतम नमी से अंकुरण बेहतर होगा.						
अंतराल	अनुपलब्ध						
बीज दर (सामान्य बुवाई)	8–10 कि.ग्रा./एकड़						
बीज दर (देर से बुवाई)	10–12 कि.ग्रा./एकड़						
	ध्यान रखें : बुवाई का समय एक महत्वपूर्ण कारक है जिसका अंकुरण और पौध की बढ़वार पर प्रभाव पड़ता है. अक्टूबर का पूरा महीना उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र में बुवाई के लिए सबसे अच्छा समय है; उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में नवंबर के अंतिम सप्ताह तक बुवाई की जा सकती है.						
बीज उपचार	थिरम 75% डब्ल्यूएस + डेल्टामेथ्रिन 2.5% डबल्यूपी						
पोषक तत्व प्रबंधन	गोबर की सड़ी खाद डालने से मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर होगा. उर्वरक का प्रयोग फसल की अवस्थाओं के अनुसार ही करें.						
प्रति एकड़ गोबर की सड़ी खाद, रसायन और उर्वरक की अनुसंशित मात्रा							
			गोबर की सड़ी खाद टन/एकड़	नाइट्रोजन कि.ग्रा./ एकड़	फॉस्फोरस कि.ग्रा./ एकड़	पोटेशियम कि.ग्रा./ एकड़	उर्वरक का ब्रांड और संयोजन चाहे जो भी, उर्वरक का उपयोग उचित प्रयोग विधि के साथ अनुशंसित मात्रा में ही किया जाना चाहिए.
उर्वरक की खुराक			2-3	8	32	16	
प्रयोग		प्राथमिक मात्रा	2-3	8	32	16	सामान्यतः टॉप ड्रेसिंग की तुलना में प्राथमिक उर्वरक प्रयोग से फसल बेहतर प्रदर्शन करती है.
निराई–गुड़ाई संक्रिया							
सिंचाई	बरसीम की फसल की 12–15 सिंचाई करनी पड़ती है. पहली सिंचाई बहुत महत्वपूर्ण होती है और बुवाई के एक सप्ताह बाद कर देनी चाहिए. इसके बाद, मौसम की स्थिति के आधार पर 15–20 दिनों के अंतराल पर खेत की सिंचाई करते रहना चाहिए.						
कीट एवं रोग							
	कीट/रोग	प्रकोप का समय	नियंत्रण उपाय				
	व्हाइट फ्लाई	प्रारंभिक पौध	एसिटामिप्रिड 20 प्रतिशत एसपी का 400 ग्राम/एकड़ और क्लोरपाइरीफॉस 20 प्रतिशत ईसी का 500 मिली/एकड़ की दर से प्रयोग करें.				
	कटुआ मोथ	प्रारंभिक पौध	क्विनालफॉस 25 ईसी का 400 मि.ली./एकड़ और प्रोफेनोफॉस 50 ईसी/600 का मि.ली./एकड़ की दर से प्रयोग करें.				
	स्टेम रॉट	प्रारंभिक पौध	जनवरी और फरवरी में 15 दिनों के अंतराल पर 0.1% बाविस्टिन के घोल का दो बार छिड़काव करें और बार–बार सिंचाई न करें.				
	रूट रॉट	प्रारंभिक पौध	2–3 वर्षों में फसल बदल दें और गर्मियों में गहरी जुताई करें. कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/कि.ग्रा. की दर से बीज का उपचार करें.				
निराई–गुड़ाई							
	बुवाई के 25–30 दिन बाद तक खेत को खरपतवारों से मुक्त रखना चाहिए. खरपतवार की वृद्धि रोकने के लिए बुवाई के तीसरे और पाँचवें सप्ताह में 2 या 3 बार निराई–गुड़ाई करें.						
खरपतवार नियंत्रण	बुवाई बाद 20 दिन पर 0.1 कि.ग्रा. सक्रिय घटक प्रति हेक्टेयर की दर से इमाजेथापायर 10% का प्रयोग करें						
कटाई							
	पहली कटाई : बुवाई के 50 से 55 दिन बाद पहली कटाई करें, दूसरी और उसकी बाद की प्रत्येक कटाई पिछली कटाई के 30 से 35 दिन बाद करें.						
क्या करें	सभी अनुशंसित उत्पादन पद्धतियों का पालन करें – समय पर बुवाई करें, कटाई का उचित प्रबंधन करें और कटाई के बाद सिंचाई करें. फिर से बेहतर बढ़वार के लिए, फसल की कटाई अनुशंसित अंतराल पर करें. कटाई की ऊँचाई 6–8 से.मी. रखी जानी चाहिए.						
क्या न करें	पानी न ठहरने दें. बरसीम के बाद बरसीम की फसल न लें.						
ध्यान दें	उपरोक्त जानकारी केवल सामान्य मार्गदर्शन के उद्देश्य से दी गई है. विशिष्ट क्षेत्रीय स्थितियों के अनुसार सटीक अनुशंसाओं के लिए अपने स्थानीय राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें.						
सावधानियाँ	फसल की बढ़वार और उपज विभिन्न कारकों से प्रभावित हो सकती है. इसलिए, अपने स्थानीय राज्य कृषि विभाग से सलाह लेना अच्छा रहेगा. यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि केवल मानक गुणवत्ता वाले उर्वरकों एवं कीटनाशकों का ही प्रयोग किया जाए. बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की खरीद के बिल संभाल कर रखें.						

PUNJABI

ਵਧਾਈਆਂ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਬਰਸੀਮ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਨੂੰ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੋਲ ਉੱਚ–ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬਰਸੀਮ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ, ਜਿਸਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਸੰਬੰਧੀ ਵੱਖ–ਵੱਖ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਲਵਾਯੂ ਲਈ ਢੁਕਵੀਆਂ ਉੱਚ–ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀ ਕਿਸਮ ਨੂੰ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀਆਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਉੱਚਤਮ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੇ ਬਰਸੀਮ ਬੀਜ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਪੁੰਗਰਣ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਸ਼ਕਤੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਅਜੈਵਿਕ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਪ੍ਰਤਿਰੋਧੀ ਹਨ। ਵਧੀਆ ਉਪਜ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾਓ। ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਆਮ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹਨਾਂ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ।

	ਧੌਧਰ	ਧੌਧਰ ਹਾਡੂ	ਜ਼ੋਰਧਾਰ				
ਮਿਆਦ							
ਹਾੜ੍ਹੀ (ਅਕਤੂਬਰ–ਨਵੰਬਰ)	170–180 ਦਿਨ	180–190 ਦਿਨ	170–180 ਦਿਨ				
ਨੋਟ ਕਰੋ–ਫ਼ਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਸਥਾਨਕ ਮੌਸਮੀ ਸਥਿਤੀਆਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਵੱਖ–ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ।							
ਸਿੰਜਾਈ ਦਾ ਸ੍ਰੋਤ	ਸਿੰਜਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ						
ਆਮ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ							
ਬਿਜਾਈ	ਚੌੜੀ ਕਾਸਟਿੰਗ ਦੁਆਰਾ ਬਿਜਾਈ, ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਸਹੀ ਨਮੀ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਬਰੀਕ ਵਾਹੀ ਬਿਹਤਰ ਉਗਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰੇਗੀ।						
ਦੂਰੀ	ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ						
ਬੀਜ ਦਰ (ਆਮ ਬਿਜਾਈ)	8–10 ਕਿਗ੍ਰਾ/ਏਕੜ						
ਬੀਜ ਦਰ (ਲੇਟ ਬਿਜਾਈ)	10–12 ਕਿਗ੍ਰਾ/ਏਕੜ						
	ਧਿਆਨ ਦਿਓ: ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਸਮਾਂ ਪੁੰਗਰਣ, ਪਨੀਰੀ ਦੇ ਵਾਧੇ ਨੂੰ ਨਿਯੰਤ੍ਰਿਤ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਕਾਰਕ ਹੈ। ਉੱਤਰ–ਪੱਛਮੀ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਅਨੁਕੂਲ ਸਮਾਂ ਅਕਤੂਬਰ ਦਾ ਪੂਰਾ ਮਹੀਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ; ਉੱਤਰ–ਪੂਰਬੀ ਜ਼ੋਨ ਵਿੱਚ ਇਸਨੂੰ ਨਵੰਬਰ ਦੇ ਆਖਰੀ ਹਫ਼ਤੇ ਤੱਕ ਬੀਜਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ						
ਬੀਜ ਉਪਚਾਰ	ਥੀਰਮ 75% ਡਬਲਿਊ.ਐਸ. + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 2.5% ਡਬਲਿਊ.ਪੀ.						
ਪੋਸ਼ਣ ਪ੍ਰਬੰਧਨ	ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਸਿਹਤ ਵਿੱਚ ਸੁਧਾਰ ਕਰੇਗੀ। ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੇ ਪੜਾਵਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਖਾਦ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ।						
ਰੂੜੀ, ਰਸਾਇਣਕ ਅਤੇ ਖਾਦ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਖੁਰਾਕ							
			ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਟਨ/ਏਕੜ	ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਕਿੱਲੋਗ੍ਰਾਮ/ ਏਕੜ	ਫਾਸਫੋਰਸ ਕਿੱਲੋਗ੍ਰਾਮ/ ਏਕੜ	ਪੋਟਾਸ਼ੀਅਮ ਕਿੱਲੋਗ੍ਰਾਮ/ ਏਕੜ	ਖਾਦ ਦੇ ਬ੍ਰਾਂਡ ਅਤੇ ਸੁਮੇਲ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਕੀਤੇ ਬਿਨਾਂ, ਖਾਦ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਖੁਰਾਕ ਅਨੁਸਾਰ ਅਤੇ ਵਰਤੋਂ ਦੀ ਸਹੀ ਵਿਧੀ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
ਖਾਦ ਦੀ ਖੁਰਾਕ			2-3	8	32	16	
ਉਪਯੋਗ		ਬੇਸਲ ਖੁਰਾਕ	2-3	8	32	16	ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਫ਼ਸਲ 'ਤੇ ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਖਾਦ ਦੀ ਬੇਸਲ ਵਰਤੋਂ ਦਾ ਕਾਫ਼ੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ
ਅੰਤਰ–ਖੇਤੀ ਕਾਰਜ							
ਸਿੰਜਾਈ	ਬਰਸੀਮ ਨੂੰ 12–15 ਸਿੰਜਾਈਆਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਪਹਿਲੀ ਸਿੰਜਾਈ ਬਹੁਤ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਇੱਕ ਹਫ਼ਤੇ ਬਾਅਦ ਦਿੱਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਮੌਸਮ ਦੀਆਂ ਸਥਿਤੀਆਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ 15–20 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਸਿੰਜਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।						
ਕੀਟ ਅਤੇ ਬਿਮਾਰੀਆਂ							
	ਕੀੜਾ/ਬਿਮਾਰੀਆਂ	ਪੌਦੇ ਉਗਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਨਿਯੰਤ੍ਰਣ ਉਪਾਅ				
	ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ	ਛੇਤੀ ਪੁੰਗਰਣਾ	ਐਸੀਟਾਮੀਪ੍ਰਿਡ 20 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਐਸ.ਪੀ. 400 ਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ ਅਤੇ ਕਲੋਰਪਾਈਰੀਫੋਸ 20 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਈ.ਸੀ. 500 ਮਿਲੀਲਿਟਰ/ਏਕੜ।				
	ਕਟੁਆ ਮੋਥ	ਛੇਤੀ ਪੁੰਗਰਣਾ	ਕੁਇਨਲਫੋਸ 25 ਈ.ਸੀ./400 ਮਿਲੀਲਿਟਰ/ਏਕੜ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਫੇਨੋਫੋਸ 50 ਈ.ਸੀ./600 ਮਿਲੀਲਿਟਰ/ਏਕੜ ਵਰਤੋ।				
	ਤਣੇ ਦੀ ਸੜਨ	ਛੇਤੀ ਪੁੰਗਰਣਾ	ਜਨਵਰੀ ਅਤੇ ਫਰਵਰੀ ਵਿੱਚ ਦੋ ਵਾਰ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਬਾਵਿਸਟਿਨ ਦੇ 0.1% ਘੋਲ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ ਅਤੇ ਵਾਰ–ਵਾਰ ਸਿੰਜਾਈ ਤੋਂ ਬਚੋ।				
	ਜੜ ਸੜਨ	ਛੇਤੀ ਪੁੰਗਰਣਾ	2–3 ਸਾਲ ਦਾ ਫ਼ਸਲ ਰੋਟੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਗਰਮੀਆਂ ਵਿੱਚ ਡੂੰਘੀ ਵਾਹੀ। ਕਾਰਬੈਂਡਾਜ਼ਿਮ 2 ਗ੍ਰਾਮ/ਕਿੱਲੋਗ੍ਰਾਮ ਬੀਜ ਨਾਲ ਬੀਜ ਉਪਚਾਰ।				
ਅੰਤਰ–ਖੇਤੀ							
	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ 25–30 ਦਿਨਾਂ ਤੱਕ ਖੇਤ ਨੂੰ ਨਦੀਨ ਮੁਕਤ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਨਦੀਨਾਂ ਦੇ ਵਾਧੇ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਨ ਲਈ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਤੀਜੇ ਅਤੇ 5ਵੇਂ ਹਫ਼ਤੇ 2 ਜਾਂ 3 ਵਾਰ ਅੰਤਰ–ਖੇਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।						
ਨਦੀਨ ਨਿਯੰਤ੍ਰਣ	ਇਮਾਜ਼ੇਥਾਪਾਇਰ 10% ऽ 0.1 ਕਿੱਲੋਗ੍ਰਾਮ ਏ.ਆਈ./ਹੈਕਟੇਅਰ 20 ਡੀ.ਏ.ਐਸ. 'ਤੇ ਲਗਾਓ						
ਵਾਢੀ							
	ਪਹਿਲੀ ਕਟਾਈ: ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 50 ਤੋਂ 55 ਦਿਨ ਬਾਅਦ, ਦੂਜੀ ਅਤੇ ਅਗਲੀ ਕਟਾਈ ਹਰੇਕ ਕਟਾਈ ਤੋਂ 30 ਤੋਂ 35 ਦਿਨ ਬਾਅਦ						
ਇਹ ਕਰੋ	ਸਾਰੇ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੇ ਉਤਪਾਦਨ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰੋ – ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਬਿਜਾਈ, ਸਹੀ ਕਟਾਈ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਅਤੇ ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਿੰਜਾਈ। ਬਿਹਤਰ ਪੁਨਰ–ਵਾਧੇ ਲਈ, ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੇ ਦਿਨਾਂ 'ਤੇ ਕਰੋ, ਕਟਾਈ ਦੀ ਉਚਾਈ 6–8 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।						
ਇਹ ਨਾ ਕਰੋ	ਪਾਣੀ ਦੇ ਜਮ੍ਹਾਂ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚੋ, ਬਰਸੀਮ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਬਰਸੀਮ ਨਾ ਉਗਾਓ						
ਨੋਟ ਕਰੋ	ਉਪਰੋਕਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਇੱਕ ਆਮ ਸਲਾਹ ਹੈ। ਖਾਸ ਇਲਾਕੇ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।						
ਸਾਵਧਾਨੀ	ਫ਼ਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਕਈ ਕਾਰਕਾਂ ਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲੈਣ ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ ਉੱਚ–ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜਾਂ, ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦਾ ਬਿੱਲ ਆਪਣੇ ਕੋਲ ਰੱਖੋ।						